मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

1 A

सहकारी संघवाद – केंद्र व राज्य एक-दूसरे के साथ क्षैतिज संबंध स्थापित करते हैं।
– भारतीय संघवाद को जी ऑस्टिन ने 'सहकारी संघवाद' कहा है।
– प्रथमतः विश्व में – यू॰एस॰ए॰।

1 B

सीनेट – अमेरिका की संसद का उच्च सदन
– उपराष्ट्रपति का निर्वाचन, महाभियोग जैसे विशेषाधिकार हैं।
हालिया संदर्भ – जनवरी 2021 में अमेरिकी राष्ट्रपति डेप पर महाभियोग प्रस्ताव दूसरी बार लाया गया।

1 C

अनुच्छेद 275 – भारतीय संविधान के भाग-12 के अंतर्गत
– केंद्र द्वारा राज्यों को दिए जाने वाले अनुदानों के संबंध में।
– संसद विधि द्वारा उपबंध करती है।

1. D

परमादेश – (1) आशय – 'आदेश है कि –'

(2) भारतीय संविधान के अनु. 32 के तहत एक रिट।

(3) न्यायालय, लोकाधिकारी को कार्य[illegible] के लिए आदेशित करता है।

1 E

आच्छादन का सिद्धांत → अनु–13 (भारतीय संविधान)

↓ विधियों के असंगत होने पर नवीन विधियों का उन्हें आच्छादित करने का सिद्धांत।

→ जिस सीमा तक विधि असंगत होगी

1 F

प्रत्यानुदान – जब सरकार को धन की आवश्यकता होती है, तब वह प्रत्यानुदान के माध्यम से मांगती है।

– आलोचकों ने 'कोरा चेक' कहा है।

– अनुच्छेद 116 (भारतीय संविधान)

1 G

लोकसभा में विपक्ष का नेता – गैर संवैधानिक पद

– लोकसभा की कुल सीटें का 10% आवश्यक।

– वर्तमान में कोई नहीं है।

कौटिल्य एकेडमी

H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541

www.kautilyaacademy.com /Kautilyaacademy

केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण → हाल ही में दिल्ली में बैठक आयोजित हुई

↓ गठन ↓ संसद द्वारा 1985 में

↓ संविधान के भाग-XIV में.

97 वाँ संविधान संशोधन

→ सहकारी समितियों को संवैधानिक दर्जा दिया गया। (भाग IX B)

→ नीति निदेशक तत्वों में सहकारी समितियों को जोड़ा गया।

→ सन् 2011 में।

सिविल अधिकार संरक्षण धारा 14-A

← अस्पृश्यता से उपजी निर्योग्यताओं के निरोध के संबंध में

→ केन्द्र या राज्य सरकार के कार्यों के लिए संरक्षण

→ सद्भावना पूर्वक की गई कार्यवाही के लिए संरक्षण

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541
www.kautilyaacademy.com /Kautilyaacademy

1 K राज्य मानव अधिकार आयोग

→ 1993 के मानव संरक्षण अधिनियम के आधार पर गठित।

→ संरचना – अध्यक्ष (उच्च न्यायालय का सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश)

सदस्य – 3

→ मध्यप्रदेश में – सन् 1995 में स्थापना

L अनुच्छेद 335 – भारतीय संविधान के भाग 16 में।

– कुछ वर्गों के संबंध में विशेष उपबंध

– अनुसूचित जातियों, जनजातियों व पिछड़े वर्गों को पदों व सेवाओं में आरक्षण।

M मतदाता फोटो पहचान पत्र – सन् 2000 में फोटोयुक्त मतदाता के पहचान पत्र पहली बार बनाए गए।

– भारतीय निर्वाचन प्रक्रिया में आवश्यक।

1 N

गैर सरकारी संगठन
→ निजी संगठन जो अपने लाभांश की संस्था में ही लगाते हैं।
→ राष्ट्रीय न्यास अधिनियम के तहत पंजीयन कराना होता है
→ चर्चा में - विदेशी अंशदान में धांधली के तहत 20000 संगठनों पर प्रतिबंध

0

राज्य का महाधिवक्ता → राज्य का सबसे बड़ा विधि अधिकारी
→ भारतीय संविधान के अनु. 165 में वर्णित
→ राज्यपाल द्वारा नियुक्ति
→ म.प्र. में वर्तमान - [प्रशांत सिंह]

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 A

वित्तीय आपात – भारतीय संविधान में राष्ट्र की एकता-अखंडता बनाए रखने के उद्देश्य से आपातकालीन उपबंधों में से एक है – वित्तीय आपातकाल।

प्रमुख बिंदु – (1) अनुच्छेद 360 के तहत राष्ट्रपति द्वारा उद्घोषणा।

(2) 2 माह के अंदर संसद द्वारा साधारण बहुमत से अनुमोदित होना आवश्यक है।

प्रभाव — (1) राष्ट्रपति राज्य के समस्त धन के वित्त विधेयकों को अपनी पूर्वसहमति से प्रस्तुत करा सकता है।

उल्लेखनीय है कि अभी तक भारत में वित्तीय आपात नहीं

2 B

CAG – 'भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक', भारत के लेखा विभाग का मुखिया होता है।
– अनुच्छेद 148-151 तक प्रावधानों का वर्णन है।

निष्पक्षता के लिए किए गए उपाय – (1) कोई भी मंत्री CAG का प्रतिनिधित्व नहीं कर सकता है।
(2) वह केन्द्र सरकार से संबंधित प्रतिवेदन राष्ट्रपति को सौंपता है अनु. 151
(3) CAG की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। अवकाश प्राप्ति के पश्चात कोई भी CAG पद धारित नहीं कर सकता।

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541
www.kautilyaacademy.com Kautilyaacademy

2 C

नागरिक चार्टर या नागरिक घोषणापत्र एक ऐसा घोषणापत्र है जिसमें संगठन की अपनी सेवाओं के मानक, संगठन संबंधी सूचनाओं, सेवाओं तक भेदभाव रहित पहुंच की प्रतिबद्धताओं का विवरण होता है।

सुधार के उपाय ➡ (1) पारदर्शी बनाने के लिए समाज व मीडिया की भूमिका।

(2) समय-समय पर पुनर्मूल्यांकन

(3) नागरिक चार्टर को वैधानिक दर्जा दिया जाना चाहिए।

(4) आदर्श घोषणापत्र संहिता का पालन किया जाना चाहिए।

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 D

स्व सहायता समूह - एकसमान सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों वाले लोगों का एक समूह होता है।

क्रियात्मक गतिविधि - (1) भारत में इन समूहों की उत्पत्ति 1970 के दशक में हुई।

(2) 1972 में सेल्फ एम्प्लॉयड वुमेन्स एसोसिएशन (SEWA) का गठन हुआ।

(3) समूहों का गठन विभिन्न योजनांतर्गत भी किया गया - जैसे - स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (1999)।

2 E

भारत शासन अधिनियम 1935 - भारत का संविधान का मुख्य स्रोत यह अधिनियम है जो ब्रिटिश शासन द्वारा पारित किया गया था।

प्रावधान - (1) इसने अखिल भारतीय संघ की स्थापना की।

(2) केंद्र सूची, राज्य व समवर्ती सूचियों के माध्यम से शक्तियों का बंटवारा।

(3) प्रांतों में द्वैध शासन की समाप्ति, केंद्र में प्रारंभ।

(4) साम्प्रदायिक प्रतिनिधित्व का विस्तार।

(5) लोक सेवा आयोगों की स्थापना।

यह अधिनियम भविष्य का पथप्रदर्शक साबित हुआ व इसने इंग्लैंड में भारत परिषद समाप्त कर दी।

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541
www.kautilyaacademy.com /Kautilyaacademy

प्रश्न संख्या

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

2 G

भारत के संविधान के एकीकरण के तत्व :-

(1) संविधान का संघात्मक होने के बावजूद एकात्मकता की ओर झुकाव।

(2) एकल नागरिकता का प्रावधान।

(3) एकल, स्वतंत्र व निष्पक्ष न्यायपालिका।

(4) संविधान संशोधन की संसद की शक्ति

(5) आपातकाल के प्रावधान।

(6) अवशिष्ट शक्तियों का केन्द्र में निहित होना।

निष्कर्ष :- उपरोक्त प्रावधान भारत की रचना में संघात्मक घोषित करने के साथ-साथ भावना में एकात्मक घोषित करते हैं।

2 1

लोकतंत्र का चौथा स्तंभ मीडिया को कहा जाता है। मीडिया निष्पक्ष और स्वतंत्र हो तो लोकतंत्र में उपजती खामियों से निजात पाई जा सकती है। किंतु इसके समक्ष कुछ चुनौतियाँ हैं वे निम्न हैं :- (1) बाजारवाद एवं व्यावसायिकता में मूल भावना का विलोप होना।

(2) पीत पत्रकारिता के चलन का फैलाव।

(3) पेड न्यूज से प्रचार का दबाव

(4) टी.आर.पी. में आगे रहने की मानसिकता।

इन चुनौतियों के बावजूद भी मीडिया एक सजग प्रहरी की भूमिका में रहा है।

23 घरेलू हिंसा से महिलाओं का संरक्षण अधिनियम 2005
– यह अधिनियम महिलाओं के कुटुम्ब, नातेदारी के भीतर हो रहे शारीरिक, मानसिक, आर्थिक शोषण से निजात के लिए लाया गया।

प्रमुख प्रावधान → धारा-4 के तहत संरक्षण अधिकारी से संपर्क का अधिकार

→ धारा-12 के तहत पीड़िता या संरक्षण अधिकारी भी मुआवजा के लिए आवेदन दे सकता है।

→ धारा 16 – पक्षकार की इच्छानुसार कार्यवाही बंद कमरे में की जा सकती है।

25 संविधान का बुनियादी ढांचा – केशवानंद मामले में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि संशोधन बुनियादी ढांचे के अनुसार किया जाना चाहिए। इसके निम्न बिंदु हैं:–

(1) संविधान की संघीय भावना।
(2) संविधान की सर्वोच्चता।
(3) संविधान में निहित धर्म निरपेक्षता
(4) न्यायपालिका की स्वतंत्रता व सर्वोच्चता।
(5) न्यायपालिका का न्यायिक समीक्षा का अधिकार।

संविधान का बुनियादी ढांचा ही संविधान की अखण्डता सिद्ध करता है।

3 4

लोकतंत्र – लिंकन के अनुसार जनता का, जनता द्वारा जनता के लिए शासन लोकतंत्र कहलाता है।

लोकतंत्र के प्रकार

- शासन प्रणाली के आधार पर
  - प्रत्यक्ष
  - अप्रत्यक्ष
- राजनीतिक आधार पर
  - संसदात्मक (उदा. भारत)
  - अध्यक्षात्मक (उदा. अमेरिका)

संसदात्मक लोकतंत्र व अध्यक्षात्मक लोकतंत्र में निम्न बिंदुओं के आधार पर विश्लेषण किया जा सकता है।

(1) राज्याध्यक्ष :–

संसदात्मक – राज्याध्यक्ष का महत्व सिर्फ प्रतीकात्मक होता है। उदा. – ब्रिटेन के राजा या भारत के राष्ट्रपति।

अध्यक्षात्मक – राज्याध्यक्ष ही राज्य का प्रमुख व्यक्ति होता है न कि प्रतीकात्मक। जैसे – अमेरिका का प्रेसीडेंट

(2) कार्यपालिका व विधायिका

संसदात्मक - कार्यपालिका, विधायिका से पृथक नहीं होती। विधायिका में जिस दल को आधे से अधिक सदस्यों का समर्थन हासिल होता है वही कार्यपालिका के सदस्यों का निर्धारण करती है।

अध्यक्षात्मक - कार्यपालिका, विधायिका से पूरी तरह पृथक होती है।

(3) राष्ट्रपति की शक्ति :- संसदात्मक शासन व्यवस्था में राष्ट्रपति को विधानमंडल भंग करने का अधिकार होता है।

अध्यक्षात्मक - यहां कार्यपालिका, विधायिका के पृथक होने के कारण राष्ट्रपति को यह विवेकाधीन शक्ति नहीं होती कि वह विधानमंडल भंग करे।

(4) सदन के सदस्य :- संसदात्मक - आमतौर पर दो सदनों से विभाजित होते हैं और कार्यपालिका के सदस्य चुनकर आते हैं।

अध्यक्षात्मक :- राष्ट्रपति को अधिकार होता है कि वह मंत्रालय के प्रमुखों को चुन सके।

संसदीय प्रणाली व अध्यक्षात्मक प्रणाली के अपने - अपने सकारात्मक, नकारात्मक प्रभाव हैं। किंतु भारत के संविधान निर्माताओं ने अध्यक्षात्मक प्रणाली न चुनकर संसदीय प्रणाली को चुना।

इसके दो आधार हैं :-

(1) भारतीयों को ब्रिटिशों के कारण संसदीय प्रणाली का पर्याप्त अनुभव हो चुका था।

(2) भारत जैसे विभिन्नताओं से पूर्ण देश में अध्यक्षात्मक प्रणाली को विरोध झेलना पड़ सकता था।

अतः उक्त कारणों से भारत ने संसदात्मक प्रणाली को अपनाया।

संख्या 3 B

<u>निर्वाचन आयोग</u> - भारतीय संविधान के भाग XV में वर्णित निर्वाचन आयोग एक संवैधानिक संस्था है।

भारत में निर्वाचन आयोग प्रमुख रूप से चुनाव के कार्यान्वयन का कार्य करता है। यही कार्य राज्य स्तर पर भी निर्वाचन आयोग के निर्देशन में होता है। पंचायत चुनावों का अधिकार हेतु राज्य निर्वाचन आयोग के पास होता है।

निर्वाचन आयोग — अनुच्छेद 324
— 3 सदस्यीय निकाय
— एक मुख्य सूचना आयुक्त, दो अन्य सूचना आयुक्त।

<u>निर्वाचन आयोग के कार्य</u> :- निर्वाचन आयोग के कार्यों को 3 श्रेणियों में विभाजित कर सकते हैं

- प्रशासनिक कार्य
- सलाहकारी कार्य
- अर्द्ध न्यायिक कार्य

कौटिल्य एकेडमी
H.O. INDORE : Bhanwarkua Square Ph.: 0731-4226615, 4266821 Mob.: 9425068121, 9893929541
www.kautilyaacademy.com /Kautilyaacademy

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

प्रश्न संख्या

(1) चुनाव रिक्तियों का निर्धारण – अनुच्छेद 324 के अनुसार चुनाव कराने का अधिकार किसी अनुच्छेद से नहीं बंधा है।

(2) चुनाव क्षेत्रों का परिसीमन या सीमांकन करना।
इसके तहत प्रत्येक 10 वर्ष में होने वाली जनगणना के उपरांत परिसीमन करना।

(3) मतदाता सूचियों तैयार करना।

(4) राजनीतिक दलों का पंजीकरण – जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के अनुसार निर्वाचन आयोग द्वारा दलों का पंजीकरण।

(5) चुनाव चिह्न का आवंटन करना।

(6) चुनाव के लिए आचार संहिता लागू करना।

(7) निर्वाचन के समय प्रचार के लिए रेडियो, टी.वी. कार्यक्रम निर्धारित करना।

(8) राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना

मुख्य परीक्षा
म.प्र. राज्य लोक सेवा आयोग

अर्द्ध-न्यायिक कार्य :- (1) अनु॰ 103 के तहत राष्ट्रपति संसद के सदस्यों की अयोग्यताओं के संबंध में निर्वाचन आयोग से परामर्श कर सकता है।

(2) अनु- 192 के तहत यही अधिकार राज्यपाल को दिया गया है।

इसके अलावा आयोग का कार्य है कि वह समय-समय पर सरकार को अपने कार्यों के संबंध में सूचना देता रहेगा। साथ ही चुनाव प्रक्रिया में सुझाव देता रहेगा।